



ब्रिटेन में राजनीतिक संकट गहराया, प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के इस्तीफे की अटकलें तेज

लंदन
ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर के इस्तीफे की अटकलें तेज हो गई हैं। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, लेबर पार्टी के भीतर बढ़ते असंतोष और नेतृत्व पर सवालों के बीच स्टारमर अपने राजनीतिक भविष्य पर विचार कर रहे हैं। हालांकि सरकार की ओर से कहा गया है कि प्रधानमंत्री फिलहाल देश के शासन और नीतिगत कार्यों पर ध्यान केंद्रित किए हुए हैं।

ब्रिटेन के विभिन्न मीडिया रिपोर्टों के अनुसार प्रधानमंत्री स्टारमर के नेतृत्व पर संकट उस समय और गहरा गया जब एंडी बर्नहम ने एक संसदीय उपचुनाव में जीत दर्ज कर संसद में प्रवेश किया। बर्नहम लंबे समय से लेबर पार्टी के भीतर एक प्रभावशाली नेता माने जाते हैं

और उन्हें स्टारमर के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जा रहा है।

सूत्रों के मुताबिक, लेबर पार्टी के 100 से अधिक सांसद सार्वजनिक रूप से स्टारमर से पद छोड़ने या उनके इस्तीफे की समय-सोमा घोषित करने की मांग कर चुके हैं। मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कैबिनेट मंत्रियों, पार्टी सलाहकारों और ट्रेड यूनियन नेताओं के साथ चर्चा के बाद स्टारमर इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि उनके लिए पद पर बने रहना कठिन होता जा रहा है।

हालांकि, शुरुआत को स्टारमर ने स्पष्ट किया था कि यदि नेतृत्व को लेकर कोई चुनौती सामने आती है तो वे उसका मुकाबला करेंगे। उन्होंने पार्टी नेताओं से आंतरिक संघर्ष से बचने और एकजुट रहने की अपील भी की थी।

2024 के आम चुनाव में लेबर पार्टी को भारी जीत दिलाने वाले स्टारमर हाल के महीनों में कई विवादों, नीतिगत बदलावों और बढ़ती आर्थिक चुनौतियों के कारण आलोचनाओं के केंद्र में रहे हैं। बढ़ती महंगाई, सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति और अवैध प्रवासन जैसे मुद्दों पर सरकार के प्रदर्शन को लेकर जनता में असंतोष बढ़ा है।

इस बीच, बर्नहम ने अपनी चुनावी जीत के बाद देश के लिए नई दिशा देने का वादा किया है। हालांकि उन्होंने अभी तक औपचारिक रूप से नेतृत्व चुनौती की घोषणा नहीं की है, लेकिन उनके समर्थक स्टारमर से स्वेच्छा से पद छोड़ने का आग्रह कर रहे हैं।

पूर्व स्वास्थ्य मंत्री वेस स्ट्रीटिंग ने भी संकेत दिया है कि

आवश्यकता पड़ने पर वे नेतृत्व की दौड़ में उतर सकते हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यदि स्टारमर पद छोड़ते हैं या उन्हें हटाया जाता है, तो ब्रिटेन को पिछले एक दशक में सातवां प्रधानमंत्री मिल सकता है। इससे देश की राजनीति में अस्थिरता और नेतृत्व संकट को लेकर नई बहस खिड़क सकती है।

उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी सोशल मीडिया पर दावा किया कि स्टारमर प्रधानमंत्री पद छोड़ सकते हैं। हालांकि, ब्रिटिश सरकार ने कहा है कि इस संबंध में प्रधानमंत्री और ट्रंप के बीच कोई बातचीत नहीं हुई है। अब पूरे देश की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या स्टारमर अपने पद पर बने रहेंगे या लेबर पार्टी में नेतृत्व परिवर्तन का रास्ता खुलने वाला है।

न्यूज़ ब्रीफ

इजराइल को आईआरजीएस कुदस फोर्स प्रमुख की चेतावनी - दक्षिणी लेबनान छोड़ी या निकाले जाओगे

तेहरान। ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कार्पस (आईआरजीसी) की कुदस फोर्स के प्रमुख इस्माइल कानी ने दक्षिणी



लेबनान में तैनात इजराइली सेना को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा है कि उसके पास केवल दो विकल्प हैं या तो

वह स्वेच्छा से पीछे हट जाए या फिर उसे बलपूर्वक और अपमानजनक तरीके से बाहर निकाला जाएगा। ईरान की सरकारी समाचार संवाद समिति प्रेसटीवी के अनुसार, रविवार को सोशल मीडिया पर जारी संदेश में इस्माइल कानी ने हिब्रू भाषा में इजराइली सैनिकों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि वे दक्षिणी लेबनान से नहीं हटते हैं, तो वर्ष 2000 जैसी स्थिति दोबारा पैदा हो सकती है, जब इजराइल को लंबे कठोर के बाद लेबनान से पीछे हटना पड़ा था। कानी ने कहा, यदि आप अपने कदमों से दक्षिणी लेबनान नहीं छोड़ते, तो आपको हार और अपमान के साथ वहां से निकाला जाएगा। फेसला आपके साथ में है। आईआरजीसी कमांडर ने हालिया संघर्ष का उल्लेख करते हुए दावा किया कि पिछले कुछ दिनों में इजराइली सेना को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि कम समय में बड़ी संख्या में इजराइली सैनिक हताहत हुए हैं। यह बयान ऐसे समय आया है जब लेबनान-इजराइल सीमा पर तनाव लगातार बना हुआ है। ईरानी पक्ष का आरोप है कि इजराइल युद्धविराम समझौतों का उल्लंघन कर रहा है और लेबनान में सैन्य अभियान जारी रखे हुए है। वहीं, हिज्बुल्लाह ने भी इजराइली हमलों के जवाब में अपनी सैन्य गतिविधियां तेज करने का दावा किया है। संगठन का कहना है कि उसने हाल के दिनों में कई इजराइली सैनिकों को निशाना बनाया है। इस बीच, ईरान और अमेरिका के बीच हाल ही में हुए द्वि-दलीय समझौते के बाद लेबनान में संघर्ष कम होने की उम्मीद जताई गई थी।

मेलोनी ने अपने स्पष्ट विचारों और सख्त रुख से बनाई अंतर्राष्ट्रीय पहचान



रोम। इटली की पीएम जार्जिया मेलोनी यूरोपीय राजनीति की उन नेताओं में गिनी जाती हैं जो अपने स्पष्ट विचारों और सख्त रुख के कारण सुर्खियों में रहती हैं। राष्ट्रवाद, आव्रजन नीति, यूरोपीय पहचान और सुरक्षा जैसे मुद्दों पर उनकी टिप्पणियां अंतरराष्ट्रीय बहस का विषय बन चुकी हैं। हाल के दिनों में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बयानबाजी को लेकर भी उनका नाम फिर चर्चा में है, जिससे उनकी राजनीतिक शैली पर फिर से ध्यान गया है। मेलोनी ने कई मौकों पर यूरोप में बढ़ती वैचारिक हिंसा और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों को लेकर खुलकर अपनी राय रखी है। फ्रांस में एक दक्षिणपंथी कार्यकर्ता की हत्या के मामले में उन्होंने इसे पूरे यूरोप के लिए चिंता का विषय बताया था। इस पर फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने अप्रत्यक्ष रूप से टिप्पणी की थी, लेकिन मेलोनी ने अपने रुख से पीछे हटने से इनकार कर दिया था और कहा था कि हिंसा के खिलाफ आवाज उठाना किसी एक देश तक सीमित नहीं है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक आव्रजन और सांस्कृतिक पहचान के मुद्दे पर भी मेलोनी के बयान अक्सर चर्चा में रहते हैं।

कनाडा के किशोर की हिम्मत ने जगाई मधुमेह पीड़ितों में नई आस

टोरंटो। मधुमेह के मरीज एक किशोर की हिम्मत ने चिकित्सा इतिहास का हिस्सा बनकर न केवल अपनी जान बचाई, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए भी उम्मीद की नई किरण जगाई। कनाडा के टोरंटो शहर में रहने वाले 14 वर्षीय लियोनार्ड थाम्पसन टाइप-1 डायबिटीज से पीड़ित थे। उस दौर में इस बीमारी के मरीजों को बेहद सीमित भोजन दिया जाता था, ताकि रक्त में शर्करा का स्तर नियंत्रित रखा जा सके। बालक लियोनार्ड की स्थिति लगातार बिगड़ रही थी। उनका वजन घटकर करीब 29 किलोग्राम रह गया था और वे बार-बार कोमा जैसी स्थिति में पहुंच रहे थे। डॉक्टरों को उनके बचने की उम्मीद लगभग खत्म हो चुकी थी। इसी दौरान वैज्ञानिक फ्रेडरिक बैटिंग, चार्ल्स बेस्ट, जेम्स कॉलिन और जान मैकलेड इंसुलिन पर शोध कर रहे थे। उन्होंने पशुओं पर प्रयोगों में सफलता हासिल कर ली थी, लेकिन इंसानों पर इसका परीक्षण अभी बाकी था। ऐसे में लियोनार्ड के पिता ने साहस दिखाते हुए अपने बेटे को इस प्रयोगात्मक उपचार के लिए तैयार किया। यह निर्णय बाद में चिकित्सा विज्ञान की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक साबित हुआ। 11 जनवरी 1922 को लियोनार्ड को पहला इंसुलिन इंजेक्शन दिया गया। हालांकि शुरुआती खुराक पूरी तरह शुद्ध नहीं थी, जिसके कारण कुछ प्रतिकूल प्रतिक्रियाएं हुईं। इसके बाद वैज्ञानिकों ने इंसुलिन को और अधिक शुद्ध बनाया और 23 जनवरी को दोबारा इंजेक्शन दिया गया। इस बार परिणाम चौकाने वाले थे। लियोनार्ड की रक्त शर्करा नियंत्रित होने लगी।

नए सर्वे में बेंजामिन नेतन्याहू को झटका : 56.4 प्रतिशत इजराइलियों ने कहा, ईरान युद्ध को संभालने में रहे नाकाम

यरूशलम
इजराइल में हुए एक नए जनमत सर्वेक्षण में दावा किया गया है कि वहां के अधिकांश नागरिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के ईरान युद्ध प्रबंधन से संतुष्ट नहीं हैं। सर्वे के अनुसार, 56.4 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने माना कि नेतन्याहू ईरान के खिलाफ युद्ध को संभालने में नाकाम या खराब साबित हुए, जबकि केवल 26.5 प्रतिशत लोगों ने उनके प्रदर्शन को सकारात्मक बताया। तुर्की की समाचार संवाद समिति अनाडोलू एजेंसी के अनुसार हिब्रू यूनियर्सिटी आफ यरूशलम द्वारा 17 से 20 जून के बीच 3,644 लोगों के बीच किए गए और सर्वे के मुताबिक, 56.4% लोगों ने युद्ध के दौरान नेतन्याहू के काम को नाकाम या खराब बताया, जबकि 26.5% ने इसे सकारात्मक माना।

सर्वे में यह भी सामने आया कि 72.5 प्रतिशत इजराइली नागरिक नेतन्याहू के इस दावे पर भरोसा नहीं करते कि इजराइल ने युद्ध में बड़ी सफलता हासिल की है और देश के सामने मौजूद अस्तित्व के खतरों को समाप्त कर दिया है। नतीजों के अनुसार, 92.1 प्रतिशत लोगों का मानना है कि ईरान इराई संघर्ष में बढ़त हासिल करने में सफल रहा, जबकि 82.9 प्रतिशत उत्तरदाताओं ने कहा कि युद्ध ने इजराइल की दीर्घकालिक सुरक्षा को कमजोर किया है। सर्वेक्षण में शामिल 87.8 प्रतिशत लोगों ने माना कि इजराइल अपने घोषित सैन्य और रणनीतिक लक्ष्यों को पूरी तरह हासिल नहीं कर सका। इसी के साथ प्रधानमंत्री के रूप में नेतन्याहू की लोकप्रियता में भी गिरावट दर्ज की गई। मार्च में जहां उन्हें 40.5 प्रतिशत समर्थन प्राप्त था, वहीं जून में यह घटकर 29.4 प्रतिशत रह गया।

स्टोनहेंज का पूर्वज मिला : 5,000 साल पुरानी सूर्य-संरेखित संरचना उजागर



लंदन। ब्रिटेन के विश्वप्रसिद्ध प्रागैतिहासिक स्मारक स्टोनहेंज के निकट पुरातत्वविदों ने एक ऐसी प्राचीन संरचना के अवशेष खोजे हैं, जिस इस रहस्यमयी स्थल का शुरुआती और सरल रूप माना जा रहा है। स्टोनहेंज से लगभग पांच किलोमीटर दूर बुलफोर्ड गांव में मिली यह संरचना करीब 5,000 वर्ष पुरानी है और इसने नवापाषाणकालीन खगोलीय ज्ञान के एक नए अध्याय को खोला है। शोधकर्ताओं के अनुसार, यह संरचना ग्रीष्मकालीन सूर्योदय और शीतकालीन सूर्यास्त की दिशा के अनुरूप सावधानीपूर्वक बनाई गई थी। यही खगोलीय संरेखण विशेषता बाद में स्टोनहेंज के निर्माण में भी प्रमुखता से दिखाई देती है, जिससे इन दोनों स्थलों के बीच एक गहरा संबंध स्थापित होता है। खुदाई से पता चला कि इस प्राचीन स्थल में पर्यटकों के बजाय दो विशाल लकड़ी के खंभों का उपयोग किया गया था। यद्यपि लकड़ी समय के साथ पूरी तरह नष्ट हो चुकी है, जमीन में मौजूद गहरे गड्ढों से उनकी स्थिति और अनुमानित आकार का पता चलता है। ये खंभे लगभग 120 मीटर की दूरी पर स्थानित थे और इनकी ऊंचाई 2 से 4 मीटर के बीच रही होगी। खुदाई अभियान का नेतृत्व कर रहे पुरातत्वविद फिल हार्डिंग ने रेडियोकार्बन डेटिंग तकनीक से पुष्टि की है कि यह संरचना लगभग 5,000 वर्ष पुरानी है।

संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है : ईरानी विदेश मंत्री

तेहरान/स्विट्जरलैंड
ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराक्वी ने कहा है कि पाकिस्तान और कतर की मध्यस्थता से क्षेत्रीय संघर्ष को समाप्त करने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है, लेकिन लेबनान में युद्धविराम (सीजफायर) का प्रणवी क्रियान्वयन अभी भी सबसे बड़ी परीक्षा बना हुआ है।

ईरान की सरकारी समाचार संवाद समिति प्रेसटीवी ने बताया कि सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जारी बयान में अराक्वी ने पाकिस्तान और कतर की अस्थक मध्यस्थता की सराहना करते हुए कहा कि संघर्ष समाप्ति की दिशा में कई सकारात्मक कदम उठाए गए हैं। उन्होंने दावा किया कि तेल और पेट्रोकेमिकल निर्यात से जुड़ी रियायतें दी गई हैं,



अमेरिका हथियारों का भंडार बढ़ाएगा, ट्रंप ने डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट लागू किया

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने देश के हथियारों और सैन्य उपकरणों के भंडार को मजबूत करने के लिए डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट (डीपीए) लागू कर दिया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरान के साथ लंबे संघर्ष और अन्य वैश्विक संकटों के कारण अमेरिकी हथियारों के भंडार में कमी आने की चिंताएं बढ़ रही हैं। 11 जून को जारी एक मेमो में ट्रंप ने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ को रक्षा उत्पादन से जुड़ी बाधाओं को दूर करने और सैन्य उद्योग के साथ नए समझौते तैयार करने का निर्देश दिया। डिफेंस प्रोडक्शन एक्ट राष्ट्रपति को राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए आवश्यक वस्तुओं और हथियारों के उत्पादन को प्राथमिकता देने का अधिकार देता है। इस बीच, चीन और पाकिस्तान ने मध्य पूर्व में शांति प्रयासों को आगे बढ़ाने पर जोर दिया है। चीन के विदेश मंत्री वांग यी और पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री एवं विदेश मंत्री मोहम्मद इशाक डार के बीच हुई टेलीफोन वार्ता में अमेरिका-ईरान समझौते और क्षेत्रीय स्थिति पर चर्चा हुई। चीन के विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों देशों ने युद्धविराम, शांति वार्ता की बहाली, समुद्री व्यापार मार्गों की सुरक्षा और संयुक्त राष्ट्र की भूमिका को मजबूत करने का समर्थन किया। चीन ने पाकिस्तान के साथ रणनीतिक समन्वय बढ़ाने और क्षेत्र में शांति स्थापित करने के लिए मिलकर काम करने की प्रतिबद्धता जताई। उधर, ईरान ने दक्षिणी लेबनान में हालिया हमलों के बाद इजराइल को सैन्य जवाब देने की चेतावनी दी है। ईरानी सैन्य कमान ने आरोप लगाया कि इजराइल ने युद्धविराम समझौते का कई बार उल्लंघन किया है और यदि हमले नहीं रुके तो उसे कड़ा जवाब दिया जाएगा। विश्लेषकों का मानना है कि ईरान के साथ लगभग 15 सप्ताह तक चले संघर्ष और अन्य सैन्य अभियानों के कारण अमेरिका को अपने हथियारों और मिसाइलों के भंडार को फिर से भरने की आवश्यकता महसूस हुई है। इसी कारण ट्रंप प्रशासन घरेलू रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने और सहयोगी देशों को सैन्य आपूर्ति सीमित करने की नीति पर भी विचार कर रहा है। अमेरिकी कांग्रेस भी महत्वपूर्ण मिसाइल प्रणालियों और रक्षा उपकरणों के उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए अतिरिक्त वित्तीय सहायता और दीर्घकालिक अनुबंधों को मंजूरी देने की दिशा में काम कर रही है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह कदम भविष्य में संभावित सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए अमेरिका की सैन्य तैयारियों को मजबूत करेगा।

नेपाल के सिरहा में दो भारतीय ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, पुलिस कार्रवाई में एक घायल



काठमांडू

नेपाल के सिरहा जिले में मादक पदार्थ कारोबार में संलग्न दो भारतीय ड्रग्स तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई के दौरान एक पुलिस जवान भी घायल हो गया।

नेपाल पुलिस के अनुसार, सिरहा जिले के लहान क्षेत्र में ड्रग्स कारोबार होने की गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी की गई। कार्रवाई के दौरान संदिग्धों ने पुलिस पर धरनावा किया और भागने की कोशिश की।

जिला प्रहरी कार्यालय सिरहा, इलाका प्रहरी कार्यालय महेशपुरपट्टी तथा लागूऔषध नियन्त्रण ब्यूरो गोलबजार की संयुक्त टीम ने सोमवार सुबह

करीब 5:30 बजे संदिग्धों को पकड़ने का प्रयास किया। पुलिस की चेतावनी के बावजूद आरोपित नहीं रुके, जिसके बाद पहले 9 एमएम पिस्टौल से एक राउंड हवाई फायर किया गया। पुलिस ने बताया कि चेतावनी के बाद भी आरोपितों ने हमला जारी रखा, जिसके बाद एक और राउंड गोली चलाई गई। गोली लगने से भारत में बिहार के मधुबनी जिला के पिपराही गांव पंचायत निवासी 21 वर्षीय संजित कुमार पासवान घायल हो गए। उनके साथ मौजूद 12 वर्षीय एक नाबालिग को भी पुलिस ने हिरासत में लिया है। पुलिस के अनुसार, पासवान के दाहिने पैर की पंडिली में गोली लगी है। दोनों घायलों को इलाज

के लिए प्रादेशिक अस्पताल सिरहा में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि दोनों की हालत सामान्य है। गिरफ्तार व्यक्तियों के पास से प्लास्टिक सहित वजन करने पर 101 ग्राम 60 मिलीग्राम ब्राउन शुगर तथा दूसरे पैकेट में 12 ग्राम 30 मिलीग्राम ब्राउन शुगर जैसा पदार्थ बरामद हुआ है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपित संजित कुमार पासवान लंबे समय से ड्रग्स कारोबार में सक्रिय था। पुलिस के मुताबिक, उसने अब तक लगभग 10 से 11 किलो ब्राउन शुगर की बिक्री और वितरण किया है, जिसकी नेपाली बाजार में अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

अधिकारियों के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों और धमकी के बयानों के बाद बहुपक्षीय (क्वाड्रिलैटरल) बैठकें रोक दी गईं, हालांकि तकनीकी स्तर पर बातचीत जारी रखने पर सहमति बनी है।

ईरानी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने बताया कि वार्ता का मुख्य उद्देश्य पूर्व में हुए समझौतों के क्रियान्वयन पर चर्चा करना था। उन्होंने कहा कि युद्ध की समाप्ति और क्षेत्रीय स्थिरता के बिना किसी अंतिम समझौते तक पहुंचना संभव नहीं होगा। बातचीत में ईरान की तेल बिक्री से जुड़े प्राधिकरण, त्रय को गुप्त विचारों की संसाधनों की रिहाई फ्रीज होए जलडमरूमध्य से जहाजों की सुरक्षित आवाजाही जैसे मुद्दों पर भी प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि ईरान अमेरिकी प्रतिबद्धताओं के क्रियान्वयन पर कड़ी नजर रखेगा।

इस बीच, कतर और पाकिस्तान ने एक संयुक्त बयान जारी कर वार्ता को सकारात्मक और

रचनात्मक बताया। बयान में कहा गया कि भविष्य की तकनीकी चर्चाओं के लिए एक संस्थागत तंत्र विकसित करने तथा राजनीतिक निगरानी के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित करने पर सहमति बनी है।

सूत्रों के अनुसार, ईरान ने स्पष्ट कर दिया है कि लेबनान समेत सभी मोर्चों पर सैन्य कार्रवाई समाप्त करने संबंधी शर्तों के पूर्ण क्रियान्वयन के बिना अन्य मुद्दों पर आगे बढ़ना संभव नहीं होगा। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए ईरानी संसद अध्यक्ष मोहम्मद बाकर इंग्लिबाफ ने कहा कि दबाव और धमकियों से ईरान की नीतियों में कोई बदलाव नहीं आएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरानी सशस्त्र बल किसी भी चुनौती का जवाब देने के लिए तैयार है। क्षेत्रीय तनाव के बीच लेबनान में युद्धविराम का पालन और ईरान-अमेरिका वार्ता की प्रगति आने वाले दिनों में पश्चिम एशिया की राजनीति का महत्वपूर्ण केंद्र बनी रहेगी।